प्रारुप–1

परियोजना का नाम – 126 किमी ऋषिकेश–कर्णप्रयाग नई बी० जी० रेल लाईन परियोजना निर्माण हेतु अतिरिक्त (बवानी,शिवपुरी आरक्षित) भूमि 1.1206 है० हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

प्रतिवेदन

भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा रेल विकास निगम लिमिटेड (रेल मंत्रालय के अन्तर्गत भारत सरकार का उपक्रम) को उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत 126 कि.मी. ऋषिकेश–कर्णप्रयाग नई बी.जी. रेल लाईन परियोजना का निर्माण कार्य सौंपा गया है। रेलवे बोर्ड का पत्रांकः 2004/W-I/RVNL/15 Pt-1 Dated: 05.09.2011 (संलग्नक– A) इसका संरेखण उत्तराखण्ड राज्य के पाँच जनपदों देहरादून, टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग तथा चमोली से गुजरता है। विस्तृत अध्ययन के लिए डेस्क अध्ययन और फील्ड विजिट के आधार पर तीन संरेखण विकल्पों का चयन किया गया। एक विस्तृत तुलनात्मक अध्ययन (बहु मानदंड विश्लेषण) एमसीए चुने गए 3 संरेखण के बीच विभिन्न मापदंडों जैसे कि संरचना, परिचालन और रखरखाव, पर्यावरण (वन सहित) और सामाजिक प्रभाव, भूवैज्ञानिक, लागत और वित्तीय, को लागू करते हुए किया गया और संरेखण को सर्वथा उपयुक्त पाया गया है। प्रस्तावित संरेखण सामाजिक दृष्टिकोण से मुख्यतः पाँच नगरों ऋषिकेश, देवप्रयाग, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग तथा कर्णप्रयाग को लिंक करते हुए विस्तृत भूगर्भीय सर्वेक्षण के उपरान्त भूगर्भीय संवेदनशीलता के सम्भावित प्रभावों को न्यूनतम रखते हुए अन्तिम रूप दिया गया है। जोकि गंगा, अलकनन्दा घाटी में स्थित है। यह संरेखण देशान्तर 78° 15′E से 79° 15′Eके मध्य एवं अक्षांश 30° 5′N से 30° 20′N के मध्य स्थित है। संरेखण का प्रारम्भिक बिन्दु ऋषिकेश रेलवे स्टेशन देश के सभी महत्वपूर्ण शहरों से जुड़ा हुआ है

ऋषिकेश–कर्णप्रयाग नई ब्रॉड गेज रेल लाईन निर्माण परियोजना भारत की एक राष्ट्रीय एवं सामरिक महत्व की विकास योजना है। यह परियोजना लोक प्रयोजन के लिए उत्तराखण्ड राज्य में अवसंरचना उपबन्धित कराने के लिए भारत सरकार द्वारा राजपत्र असाधारण भाग–II खण्ड 3 – उप–खण्ड (ii) में दि० 24.02.2014 को विशेष रेल परियोजना के रूप में अधिसूचित की गयी है। (संलग्नक–B)

उत्तराखण्ड राज्य में स्थित तीर्थ स्थलों जिसमें चार धाम (यमुनोत्री जी, गंगोत्री जी, केदारनाथ जी, बद्रीनाथ जी) हेमकुण्ड साहिब व फूलों की घाटी तक पहुँच को सुगम बनाना, नये व्यापार केन्दों को जोड़नासम्मिलित है। जिससे वर्षा ऋतु में बार–बार होने वाली भूस्खलन के कारण सड़क मार्ग अवरुद्ध होने से सेना व अन्य पैरा मिलिट्री बलों के सदस्यों का आवागमन कम समय में सुरक्षित ढंग से व सुविधापूर्वक होने का उत्तम विकल्प उपलब्ध रहेगा। इस रेल लिंक के विकसित होने से देशी– विदेशी पर्यटक उत्तराखण्ड के दूरस्थ एवं दुर्गम दर्शनीय स्थलों का भी आनन्द उठा सकेंगे जिससे पर्यटन राजस्व में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त प्रत्येक सेवा क्षेत्र के विशेषज्ञ परिस्थितियों में सुधार व सुविधा होने से दुर्गम क्षेत्रों में सेवा देने हेतु स्वेच्छा से सहमत होंगे।

जनपद टिहरीगढ़वाल के अन्तर्गत सुरंग संख्या– टी-2 के पोर्टल पी–1 के पहूंच मार्ग निर्माण में प्रयोग हेतु बवानी,शिवपुरी की आरक्षित वन भूमि 1.1206 है० का गैर वानिकी प्रयोग करने के लिये वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत अनुमति प्राप्त करने हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव गठित कर प्रेषित है।

मुख्य परियोजना प्रबंधक
रेल विकास निगम लि० ऋषिकेश
हिमांशु बडोनी/HIMANSHU BADONI
मुख्य परियोजना प्रबंधक / Chief Project Manager
रेल विकास निगम लि0/ Rail Vikas Nigam Ltd.
(भारत सरकार का उपक्रम)/ A Govt. of India Enterprises
ऋषिकेश (उत्तराखण्ड) 249201/ Rishikesh (UK) 249201

परियोजना निदेशक / पैकेज–08
रेल विकास निगम लि० ऋषिकेश
Sr. Manager/Projects/RKP
RVNL, Rishikesh